

## Bhatiji Soni Ke Munh Me Lund

Added : 2015-11-10 00:34:47

साथियो, नमस्कार..

मैंने एक नया मकान लिया था.. मैं अपने परिवार के साथ शहर में बस चुका था और तब मुझसे बड़े भाई की लड़की.. जिसका नाम सोनी है.. वो आई थी।

वो अभी-अभी जवानी की दहलीज़ पर कदम रख ही रही थी.. बहुत सुंदर तथा गोरी थी। सीनियर सेकेण्डरी में पढ़ रही थी। कद-काठी में अच्छी है.. लेकिन पतली है। वो नयन-नक्श से बहुत खूबसूरत है.. उसके पतले और सुंदर लाल होंठ.. उसकी पतली कमर.. चूतड़ उभर चुके थे.. सीने पर उरोज उठ चुके थे, मैंने ताड़ लिया था कि इसकी चूत बहुत नाजुक होगी।

एक दिन वो नहा कर बाहर आई और उसी समय मेरी बीवी ने मेरे नहाने के लिए पानी रखा.. मैं जब बाथरूम में गया और देखा कि उसकी छोटी सी चूड़ी वहीं पर पड़ी थी।

मैंने दरवाजा बंद किया और उसकी चूड़ी उठाई.. चूड़ी हाथ में लेकर यही अहसास करने लगा कि कुछ मिनट पहले यही चूड़ी भतीजी की चूत पर चपिकी हुई थी।

मैंने अपनी नक्कर निकाल ली.. उसकी छोटी सी चूड़ी देखकर ही मेरा लंड खड़ा हो गया था। मैंने ध्यान से देखा कि जिस जगह पर सोनी की चूत लगती थी.. वो अभी भी गरम लग रही थी। उसकी लाल चूड़ी थी.. लेकिन उसकी चूत की गर्मी से चूत की जगह का रंग निकल गया था, उसी जगह पर चूत से निकला हुआ सफेद रज़ था।

उसी जगह को मैंने नाक से सूँघा.. आह.. क्या चूत की मदहोश करने वाली महक थी। मैंने अपनी जीभ निकल कर उसकी चूत समझ कर चूड़ी पर फेर दी।

मैं एकदम से बेकाबू हो गया और मैंने अपना लंड उसी जगह पर लगाकर मेरा वीर्य रस उसकी चूड़ी पर गिरा दिया।

बस उसी समय से मुझे अपनी भतीजी की चूत बेकरार करने लगी और मैं मेरा फंदा डालने लगा, उसे देखकर अपने लंड पर हाथ फेर लेता था।

हम सभी ऊपर के बेडरूम में सोते थे। रात में मैं अपने लंड को सहलाता.. वो मेरे सामने ही सोती थी। रात में मैं सोते में अपना लंड नक्कर से बाहर निकालने लगा।

एक दिन सुबह उसे उठाते समय उसके दोनों नीबुओं को पकड़ लिए.. उसने कुछ नहीं कहा.. अब मैं उसके चूतड़ों पर भी हाथ फेर देता था।

फिर एक रात मैंने देख लिया था कि सोनी जाग रही है तब मैंने बीवी को चुदाई के लिए उकसाया।

उसने कहा- सोनी जाग रही होगी..

मैंने कहा- वो सो गई है।

मैंने बीवी के मुँह में अपना लंड पेल दिया। सोनी की तरफ उसकी पीठ थी.. लेकिन मुझे मालूम था कि वो जाग रही है। मैंने बीवी को डॉगी स्टाइल में चोदने लगा.. जिससे सोनी को सब कुछ साफ़ दखि.. कि चूत में लंड कैसे घुसता है और कैसे निकलता है।

उस रात सोनी मेरे लंड की कमाल देख चुकी थी और सुबह जैसे ही हमारी नज़रें मेलीं.. वो मुस्करा उठी।

मेरा लंड का नशाना ठीक जगह लगा.. और अब वो रात नज़दीक थी।

मैं रात में पेशाब के लिए उठा.. मैंने देखा कभितीजी सोते में मेरे नजदीक आ गई थी, मैं पेशाब करके आया.. और उससे चपिक कर लेट गया।

रात का 2 बजे का समय होगा.. बीवी आराम से सोई हुई थी। मैंने अपनी रजाई ओढ़ ली।

अब मैंने सोनी का हाथ पकड़ कर मेरी जाँघों में उसका सर खींच लिया और अपना सर बाहर रहने दिया।

फरि मैं धीरे से उसका सीना टटोलने लगा.. उसकी छोटी-छोटी चूचियाँ दबाने लगा।, उसके चेहरे पर उंगलियाँ घुमाईं। मेरे अपने घर का मासूम तथा कच्चा नादान माल मेरे हाथ में था। मेरा लंड उसके मुँह से टकरा रहा था।

तब मैंने अपनी नकिकर के होल से मेरा काला लंड बाहर निकाला.. और धीरे से उसके होंठों पर रख दिया। दोस्तों, आपको सही लगे ना लगे.. लेकिन सोनी ने अपने होंठ खोल करके मेरा सुपारा नगिल लिया।

अपनी भतीजी के मुँह की गर्मी मेरे लंड को और भी उत्तेजति कर रही थी।

भतीजी मेरे लंड का टोपा चाट रही थी।

तब मैंने सोनी की कुरती की पछिली चैन खोल दी, अब मैं उसकी पीठ तथा उसके नीबुओं को दबा रहा था।

मैं सोनी का पेट नाभिसहलाता हुआ नीचे उसकी चूत की तरफ बढ़ा। उसकी पजामी का नाड़ा खोल दिया और उसकी चुलबुली चूत पर हाथ नीचे झुका कर पहुँचा दिया।

उसकी चड्डी की इलास्टिक में मैंने अपना हाथ घुसाया.. और उसकी चूत के इलाके में इने-गनि झांट के बाल उगे थे.. उन्हें सहलाता हुआ.. उसके खजाने तक पहुँचा।

उसकी चूत के होंठ अभी पतले थे.. नरम थे.. लेकिन चूत गरम थी। मैंने उंगली से उसकी चूत सहला रहा था।

तभी सोनी ने धीरे से दाँत गड़ा दिए।

मैं समझ गया और सोनी को ऊपर सरका लिया, वो मेरा लंड चपिचपि कर चुकी थी।

ठीक उसी समय क्या हुआ.. ना बताएं तो अच्छा.. क्योंकि बीवी ने पलटी मारी.. और मैं डर गया साला के एल पी डी हो गया मैं उठकर नीचे के बसितर में आकर सो गया.. और ये खेल पूरा नहीं हुआ।

दो दिन बाद वो भी चली गई..

अब देखो आगे क्या खेल होता है.. अगली बार जब मल्लूंगा.. तब आपको कसिसा सुनाऊंगा।

॥तब तक के लिए नमस्कार.. आपके ईमेल का इन्तजार रहेगा।

kundan Jain77@gmail.com

« [Back To Home](#)

For more sex stories Visit: [AntarVasna.Us](http://AntarVasna.Us)